पाठ 3

अब्राहम लिंकन का पत्र

—श्री अब्राहम लिंकन

जीवन के विविध अनुभवों की कसौटी पर खरा उतरने का गुण विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा और शिक्षक के ज़रिए प्राप्त होता है। इन्हीं सोचों को प्रथम अश्वेत अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने अपने पुत्र के शिक्षक को अपने चर्चित पत्र में लिखा है। उनकी अपेक्षा है कि उनका पुत्र उस विद्यालयी शिक्षा के जरिए जीतने के साथ हार का बोध कर सके, किताबों की मनमोहक दुनियाँ के साथ–साथ वह प्राकृतिक सौन्दर्य का बोध भी करे, वह अपने विचारों के प्रति अडिग और विश्वस्त रहे। और अंत में लिंकन की दृढ़ आस्था है कि स्कूल उसे यह सिखाए कि नकल कर के पास होने से बेहतर है फेल हो जाना। लिंकन का यह पत्र शिक्षा के सन्दर्भ में किसी राजनेता की समझ का एक ऐतिहासिक दस्तावेज है।

प्रिय गुरु जी,

मैं अपने पुत्र को शिक्षा के लिए आपके हाथों सौंप रहा हूँ। आपसे मेरी अपेक्षा यह है कि इसे ऐसी शिक्षा दें जिससे यह सच्चा इंसान बन सके।

सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते, और न ही सब सच बोलते हैं। यह तो मेरा बच्चा कभी–न–कभी सीख ही लेगा। पर उसे यह अवश्य सिखाएँ कि अगर दुनिया में बदमाश लोग होते हैं, तो अच्छे नेक इंसान भी होते हैं। अगर स्वार्थी राजनीतिज्ञ हैं, तो जनता के हित में काम करने वाले देशप्रेमी भी हैं। उसे यह भी सिखाएँ कि अगर दुश्मन होते हैं, तो दोस्त भी होते हैं। मुझे पता है कि इसमें समय लगेगा। परंतु हो सके तो उसे यह जरूर सिखाएँ कि मेहनत से कमाया एक पैसा भी, हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।

उसे हारना सिखाएँ और जीत में खुश होना भी सिखाएँ। हो सके तो उसे राग–द्वेष से दूर रखें और उसे अपनी मुसीबतों को हँसकर टालना सिखाएँ। वह जल्दी ही यह सब सीखे कि बदमाशों को आसानी से काबू में किया जा सकता है।

अगर संभव हो तो उसे किताबों की मनमोहक दुनिया में अवश्य ले जाएँ, साथ–साथ उसे प्रकृति की सुन्दरता, नीले आसमान में उड़ते आज़ाद पक्षी, सुनहरी धूप में गुनगुनाती मधुमक्खियाँ और पहाड़ के ढलानों पर खिलखिलाते जंगली फूलों की हँसी को भी निहारने दें। स्कूल में उसे सिखाएँ कि नकल करके पास होने से फेल होना बेहतर है।

चाहे सभी लोग उसे गलत कहें, परंतु वह अपने विचारों में पक्का विश्वास रखे और उन पर अडिग रहे। वह भले लोगों के साथ नेक व्यवहार करे और बदमाशों को करारा सबक सिखाए।

जब सब लोग भेड़ों की तरह एक ही रास्ते पर चल रहे हों, तो उसमें भीड़ से अलग होकर अपना रास्ता बनाने की हिम्मत हो।

उसे सिखाएँ कि वह हरेक बात को धैर्यपूर्वक सुने, फिर उसे सत्य की कसौटी पर कसे और केवल अच्छाई को ही ग्रहण करे।

अगर हो सके तो उसे दुख में भी हँसने की सीख दें।

उसे समझाएँ कि अगर रोना भी पड़े, तो उसमें कोई शर्म की बात नहीं है। वह आलोचकों को नज़रअंदाज करे और चाटुकारों से सावधान रहे। वह अपने शरीर की ताकत के बूते पर भरपूर कमाई करे, परन्तु अपनी आत्मा और अपने ईमान को कभी न बेचे। उसमें शक्ति हो कि चिल्लाती भीड़ के सामने भी खड़ा होकर, अपने सत्य के लिए जूझता रहे। आप उसे हमेशा ऐसी सीख दें कि मानव जाति पर उसकी असीम श्रद्धा बनी रहे।

मैंने अपने पत्र में बहुत कुछ लिखा है। देखें, इसमें से क्या करना संभव है।

आपका शुभेच्छु

अब्राहम लिंकन

शब्दार्थ :– **चाटुकार**–खुशामद करनेवाला, झूठी प्रशंसा करनेवाला, चापलूस, **अडिग**–जो हिले डुले नहीं, निश्चल, स्थिर, **प्रकृति**–स्वभाव, असलियत–यथार्थ, **धैर्य**–उतावला न होने का भाव, सब्र, **असीम**–सीमारहित अपरिमित।

अभ्यास

पाठ से

1. अब्राहम लिंकन कौन थे ? उन्होंने किसे पत्र लिखा ?
2. अब्राहम लिंकन ने अपने पत्र में किस तरह के व्यक्तियों के बारे में लिखा है?
3. किताबों की मनमोहक दुनिया के साथ–साथ प्रकृति की सुन्दरता को निहारने की सलाह लिंकन ने क्यों दी है?
4. अमरीकी राष्ट्रपति की स्कूल से क्या अपेक्षाएँ हैं और क्यों ?
5. अमरीकी राष्ट्रपति शिक्षक के माध्यम से अपने पुत्र को क्या–क्या सिखलाना चाहते थे?
6. प्रकृति की सुंदरता का चित्रण अब्राहम लिंकन ने किस प्रकार किया है ?
7. ''नकल करके पास होने की बजाय फेल होना बेहतर है'' अब्राहम लिंकन ने ऐसा क्यों कहा है? क्या आप इस कथन से सहमत हैं ?

8. मेहनत से कमाया एक पैसा भी हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। आशय स्पष्ट कीजिए।
9. लिंकन अपने बेटे को निम्नलिखित बातें सिखलाने के लिए गुरु जी पर ज़ोर क्यों दे रहे थे।
   क. बदमाशों को करारा जवाब देना सिखाने के लिए
   ख. भीड़ से अलग होकर रास्ता बनाने की हिम्मत के लिए
   ग. अपनी आत्मा और अपने ईमान को कभी न बेचने के लिए
   घ. चाटुकारों से सावधान रहने के लिए

पाठ से आगे

1. पत्र में लिंकन ने गुरु जी से अपनी अपेक्षाएँ बताई हैं। आप की भी अपने गुरु जी से अनेक अपेक्षाएँ होंगी। उन्हें साथियों से बातचीत कर लिखिए और कक्षा में सुनाइए।
2. अपने आस पास बहुत से लोगों को आप सामान्य बातचीत में कहते सुनते हैं कि 'वह एक नेक या सच्चा इंसान है' आप अपने अनुमान, अनुभव और समझ से ऐसे लोगों की खासियत को लिखिए।
3. अब्राहम लिंकन मानते थे कि शिक्षक छात्रों को आदर्श नागरिक बना सकता है। आपके विचार से शिक्षक के अलावा और कौन से लोग हो सकते हैं जो एक छात्र को आदर्श नागरिक बन पाने में सहयोग कर सकते हैं और कैसे? विचार कर लिखिए।
4. पाठ में लिकंन ने जिन गुणों की चर्चा की है उसमें से जो गुण आपको अच्छे लगते हैं उनको शामिल करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। पत्र में यह भी बताइए कि वे गुण आपको अच्छे क्यों लगते हैं ?

भाषा से

1. विराम चिह्न का प्रयोग :–
   सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते, और न ही सब सच बोलते हैं। यह तो मेरा बच्चा कभी–न–कभी सीख ही लेगा।
   ऊपर के वाक्यों में तीन तरह के अलग–अलग विराम चिह्नों का प्रयोग हुआ है–
   1. (,) अल्प विराम (Comma)– अल्प विराम का उपयोग दो वाक्य खंडो के बीच किया जाता है। पढ़ते हुए अल्प समय के लिए रुकना)
   2. (।) पूर्ण विराम, (Fullstop) –पूर्ण विराम का उपयोग वाक्य के अंत में करते हैं (पढ़ते समय वाक्य के खत्म या पूर्ण होने पर थोड़े समय के लिए रुकना।)
   3. (–) योजक चिह्न, (Hyphen) – दो शब्दों को जोड़ने के लिए।

विशेष :– आपकी पाठ्यपुस्तक के अन्य अध्यायों में कई और प्रकार के विराम चिह्नों का उल्लेख और प्रयोग हुआ है। उन्हें पहचानिए और शिक्षक की सहायता से वाक्यों में उनका प्रयोग कीजिये।

2. पाठ में इन वाक्यों को पढ़ें –

1. **किताबों** की मनमोहक दुनियाँ 2. **उड़ते** आज़ाद पक्षी 3. गुनगुनाती **मधुमक्खियाँ** 4. **बदमाशों** को आसानी से काबू में करना 5. **भेड़ों** की तरह एक ही रास्ते पर चलते रहना 6. अपने पुत्र को शिक्षा के लिए आपके **हाथों** में सौंपना। इन वाक्यों में जहाँ एक ओर किताबों, मधुमक्खियाँ, बदमाशों, भेड़ों, हाथों का प्रयोग हुआ है जिन्हें हम बहुवचन कहते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने पुत्र, आज़ाद पक्षी, अपने पत्र का प्रयोग हुआ है जिन्हें एक वचन कहते हैं।

अर्थात् संज्ञा शब्द के जिस रूप से यह ज्ञात अथवा बोध हो कि वह एक के लिए प्रयुक्त हुआ है उन्हें एकवचन तथा एक से अधिक या अनेक के लिए प्रयुक्त हुआ हो उसे बहुवचन कहते हैं। **पुस्तक के अन्य पाठों से इसी तरह के वाक्यों का चुनाव करें, जो वचन के भेद को स्पष्ट करती हैं।**

3. इन शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए –

न्यायप्रीय, अडीग, दुस्मन, मूसिबत, धुप, नीहारने।

4. 'राजनीति' शब्द में 'ज्ञ' प्रत्यय लगाकर 'राजनीतिज्ञ' शब्द बना है। इसका अर्थ है 'राजनीति जाननेवाला'।

नीचे दिए हुए शब्दों में 'ज्ञ' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए, उनके अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए– गणित, शास्त्र, धर्म, मर्म, अल्प।

5. जातिवाचक संज्ञाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनाई जाती हैं। जैसे–मनुष्य से मनुष्यता। निम्नलिखित जातिवाचक संज्ञाओं से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

पशु, देवता, गुरु, मित्र।

योग्यता विस्तार

1. नेहरु जी ने अपनी पुत्री इंदिरा गाँधी को कई पत्र 'पुत्री के नाम पिता के पत्र" शीर्षक से लिखा है। उन्हें खोजकर पढ़िए और अपने साथियों के साथ उसके विषय वस्तुओं पर चर्चा कीजिए।

2. "परीक्षा में नकल करने की प्रवृति'' इस विषय पर कक्षा और विद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिये और उसमें हुई संपूर्ण चर्चा को लिख कर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।